



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 618]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 21, 1984/अग्राहायण 30, 1906

No. 618]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 21, 1984/AGRAHAYANA 30, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1984

अधिसूचना

आय-कर

का. आ. 952 (अ):—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड,
आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर
नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (पांचवां
संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1985 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में,

(1) प्ररूप संख्या 1 में:—

(क) उपाबंध ख में, "अल्पकालिक पूंजी प्राप्तियों के
संबंध में पूंजी अभिलाष" उप शीर्षक के नीचे
"घटाए" प्रविष्टि के सामने आने वाले अंक
"53" का लोप किया जाएगा,

(ख) टिप्पण 2 में, "आय की संगणना" उप शीर्षक
के नीचे:—

(1) मद (ख) की उप मद (1) के स्थान
पर निम्नलिखित उप मद रखी जाएगी,
अर्थात्:—

"(1) स्वामी द्वारा बहन किए गए और
वास्तविक रूप से संदेत नगर पालिक करों की
रकम (जिसमें से निर्धारण वर्ष 1984-85 या
किसी अन्य पूर्वाधिक निर्धारण वर्ष के लिए उद्भूत
दायित्व के रूप में कटौती के रूप में अनुज्ञात
करों की रकम अपवर्जित की गई है)—धारा
23 (1) का प्रथम परन्तुक और स्पष्टीकरण 2";

(2) मद (च) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(च) पूर्विक वर्षों में कटौती के रूप में अनुशात किन्तु पूर्व वर्षों के दौरान वसूल किया गया अवसूलीय किराया—धारा 25 क।”;

(3) इस प्रकार रखी गई मद (च) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(छ) गृह सम्पत्ति से शुद्ध प्रभाय आय जो [(क) में से (ङ) को घटाकर] (च) को जोड़कर निकलने वाली रकम है”,

(ब) टिप्पण 3 में :—

(1) “(1) साधारण विशिष्टियां :—कारबार या वृत्ति की फर्म/व्यक्ति-संगम अंश से भिन्न,” मद (7) में, “और यदि लेखाओं की संपरीक्षा धारा 44 कख के अधीन किया जाना अपेक्षित है, तो ऐसी लेखा परीक्षा की रिपोर्ट अपेक्षित विशिष्टियों के साथ संलग्न की जाए,” शब्द, अंक और अक्षर अन्त में अन्तःस्थापित किए जाएंगे,

(2) “(2) पूर्व वर्षों के लिए कारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना” शीर्षक के नीचे, मद 3 में :—

(क) उप मद (ग) का लोप किया जाएगा,

(ख) उप मद (घ) से (प) को क्रमशः उप मद (ग) से (न) के रूप में पुनः अक्षरांकित किया जाएगा,

(ग) इस प्रकार पुनः अक्षरांकित उप मद (न) के पश्चात् निम्नलिखित उप मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(प) किसी निधि, न्यास आदि की स्थापना या उसके गठन या उसमें अभिदाय के रूप में नियोजक के रूप में संदत्त रकम —धारा 40क (9)”,

(घ) टिप्पण 6 में, “पूँजी अभिलाभों की संगणना” उप शीर्षक के नीचे मद (क) में “धारा 45 और 47क” शब्द, अंक और अक्षर अन्त में अन्तःस्थापित किए जाएंगे,

(2) प्ररूप सं. 2 में :—

(क) उपाबन्ध (ग) में, “अल्पकालिक पूँजी आस्तियों के संबंध में पूँजी अभिलाभ” उप शीर्षक के नीचे “घटाएँ” प्रविष्टि के सामने आने वाले “53” अंक का लोप किया जाएगा,

(ख) टिप्पण 1 में :—

(1) मद 1 में, “वैतन का अग्रिम” शब्दों के पश्चात् “छुट्टी की ऐसी कालावधि की बाबत जिसका उपभोग नहीं किया गया है, प्राप्त संवाय” शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे,

(2) मद (3) में :—

(क) उप मद (घ) के स्थान पर निम्नलिखित उप मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(घ) नियोजक द्वारा ब्याज रहित या ब्याज की विनिर्दिष्ट दर से निम्नतर ब्याज की दर पर दिए गए उधार पर ब्याज की बाबत रकम—धारा 17 (2) (6)”,

(ख) इस प्रकार रखी गई उप मद (घ) के पश्चात् निम्नलिखित उप मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ङ) मदों (क), (ख), (ग) और (घ) का योग,”

(ग) टिप्पण 3 में :—

“(1) कारबार या वृत्ति की साधारण विशिष्टियां” शीर्षक के नीचे :—

(क) मद (8) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(9) यदि लेखाओं की संपरीक्षा धारा 44 कख के अधीन किया जाना अपेक्षित है, तो ऐसी लेखापरीक्षा की रिपोर्ट अपेक्षित विशिष्टियों के साथ संलग्न की जाए,”

(ख) विद्यमान मद (9) और (10) को क्रमशः मद (10) और (11) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा,

(2) मद 3 में “(2) पूर्व वर्षों के लिए कारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना” शीर्षक के नीचे :—

(क) उप मद (ग) का लोप किया जाएगा।

(ख) उप मद (घ) से (द) को क्रमशः (ग) से (घ) के रूप में पुनः अक्षरांकित किया जाएगा,

(ग) इस प्रकार अक्षरांकित उप मद (घ) के पश्चात् निम्नलिखित उप मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(घ) किसी निधि, न्यास आदि की स्थापना या गठन के लिए या उसमें

अभिदाय के रूप में निरीजक के रूप में
संदत रकम—धारा 40क (9),

(घ) टिप्पण 7 में :—

(1) "सम्पत्ति जो स्वामी के स्वयं अधिभोग में है" से सम्बन्धित भाग 1 में "आय की संगणना" उप शीर्षक के नीचे :—

(क) मद (ख) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(ख) वहन किए गए और वास्तविक रूप से संदत्त नगर पालिक करों की रकम (जिसमें से निर्धारण वर्ष 1984-85 या किसी अन्य पूर्व निर्धारण वर्ष के लिए उद्भूत दायित्व के रूप में कटौती के रूप में अनुज्ञात करों की रकम अपवर्जित की गई है) धारा—23 (1) का प्रथम परन्तुक और स्पष्टीकरण 2," (ख) मद (ठ) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(ठ) पूर्विक वर्षों में कटौती के रूप में अनुज्ञात किन्तु पूर्व वर्षों के दौरान वसूल किया गया अवसुलीय किराया—धारा 25क",

(ग) इस प्रकार रखी गई मद (ठ) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(ड) स्वयं अधिभोग वाली सम्पत्ति से शुद्ध प्रभाय आय [जो (झ) में से (ट) को घटाकर] (ठ) को जोड़कर निकलने वाली रकम है."

(2) "अन्य सम्पत्ति से आय" (किराये पर दी गई सम्पत्ति) से संबंधित भाग 2 में, "आय की संगणना" उप शीर्षक के नीचे :—

(क) मद (ख) में, उप मद (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(1) स्वामी द्वारा वहन किए गए और वास्तविक रूप से संदत्त नगर पालिक करों की रकम (जिसमें से निर्धारण वर्ष 1984-85 या किसी अन्य पूर्व निर्धारण वर्ष के लिए उद्भूत दायित्व के रूप में कटौती के रूप में अनुज्ञात करों की रकम अपवर्जित की गई है)—धारा 23 (1) का प्रथम परन्तुक और स्पष्टीकरण 2",

(ख) मद (च) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(च) पूर्विक वर्षों में कटौती के रूप में अनुज्ञात किन्तु पूर्व वर्ष के दौरान वसूल किया गया अवसुलीय किराया—धारा 25क 1",

(ग) इस प्रकार रखी गई मद (च) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(छ) स्वयं अधिभोग वाली सम्पत्ति से शुद्ध प्रभाय आय जो (क) में से (क) को घटाकर (च) को जोड़कर निकलने वाली रकम है।",

(3) प्ररूप संख्या 3 में :—

(क) उपाबंध क में :—

(1) भाग 1 में, "सरकार से प्राप्त वेतन से आय की संगणना", शीर्षक के नीचे "अग्रिम वेतन" शब्दों के पश्चात्, "छुट्टी की ऐसी कालावधि की बाबत जिसका उपभोग नहीं किया गया है, प्राप्त संदाय" शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे;

(2) भाग 2 में "अन्य वेतनों से आय की संगणना" शीर्षक के नीचे :—

(क) मद 1 में "अग्रिम वेतन" शब्दों के पश्चात् "छुट्टी की ऐसी कालावधि की बाबत जिसका उपभोग नहीं किया गया है, प्राप्त संदाय" शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे;

(ख) मद 3 में :—

(1) उपमद (ग) के पश्चात् निम्नलिखित उपमद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(घ) नियोजक द्वारा ब्याज रहित या ब्याज की विनिर्दिष्ट दर से निर्म्नतर ब्याज की दर पर दिए गए उधार पर ब्याज की बाबत रकम—धारा 17 (2) (6)";

(2) "(क), (ख) और (ग) का योग" शब्दों, कोष्ठकों और अक्षरों के स्थान पर "(क), (ख), (ग) और (घ) का योग" शब्द, कोष्ठकों और अक्षर रखे जाएंगे;

(ख) उपाबंध ग में, "अल्पकालिक पूंजी प्राप्तियों के संबंध में पूंजी अभिलाभ" उपशीर्षक के नीचे "घटाए" प्रविष्टि के सामने आने वाले "53" अंकों का शोध किया जाएगा;

(ग) टिप्पण 5 में :-

(1) "सम्पत्ति जो स्वामी के स्वयं अधिभाग में है" से संबंधित भाग 1 में, "आय की संगणना" उपशीर्षक के नीचे :-

(क) मद (ख), के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :-

"(ख) वहन किए गए और वास्तविक रूप से संदत्त नगर पालिक करों की रकम (जिसमें से निर्धारण वर्ष 1984-85 या किसी अन्य पूर्व निर्धारण वर्ष के लिए उद्भूत दायित्व के रूप में कटौती के रूप में अनुज्ञात ऐसे करों की रकम अपवर्जित की गई है) — धारा 23 (1) का प्रथम परन्तुक और स्पष्टीकरण 2";

(ख) मद ठ के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :-

"(ठ) पूर्विक वर्षों में कटौती के रूप में अनुज्ञात किन्तु पूर्व वर्ष के दौरान वसूल किया गया अवसूलीय किराया— धारा 25 क";

(ग) इस प्रकार रखी गई मद (ठ) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

"(ड) स्वयं अधिभाग वाली सम्पत्ति से शुद्ध प्रभार्य आय जो [(क) में से (ट)] को घटाकर (ठ) को जोड़कर निकलने वाली रकम है।";

(2) अन्य सम्पत्ति से आय (किराये पर दी गई सम्पत्ति) से संबंधित भाग 2 में, "आय की संगणना" उपशीर्षक के नीचे :-

(क) मद (ख) में उपमद (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपमद रखी जाएगी, अर्थात् :-

"(1) स्वामी द्वारा वहन किए गए और वास्तविक रूप से संदत्त नगर पालिक करों की रकम (जिसमें से निर्धारण वर्ष 1984-85 या किसी अन्य पूर्व निर्धारण वर्ष के लिए उद्भूत दायित्व के रूप में कटौती के रूप में अनुज्ञात ऐसे करों की रकम अपवर्जित की गई है) — धारा 23 (1) का प्रथम परन्तुक और स्पष्टीकरण 2";

(ख) मद (घ) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :-

"(घ) पूर्विक वर्षों में कटौती के रूप में अनुज्ञात किन्तु पूर्व वर्ष के दौरान वसूल किया गया अवसूलीय किराया— धारा 25 क";

(ग) इस प्रकार रखी गई मद (च) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

"(छ) अन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभार्य आय जो (ग) में से (ङ) को घटाकर (च) को जोड़कर निकलने वाली रकम है";

(4) प्ररूप 3 क में :-

(क) उपाबंध-ख में, "अल्पकालिक पूंजी आस्तियों के संबंध में पूंजी अभिलाभ" उपशीर्षक के नीचे "घटाइये" प्रविष्टि के सामने आने वाले अंकों "53" का लोप किया जाएगा;

(ख) उपाबंध ग के भाग 2 में "आय जिसकी वाबत धारा 13 के उपबंधों के कारण धारा 11 के अधीन छूट उपनब्ध नहीं है", प्रश्न 1 में, निम्नलिखित शब्द, कोष्ठक और अक्षर अंत में अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"खंड (ज) ————— हां/नहीं";

(ग) टिप्पण 2 में "आय की संगणना" उपशीर्षक के नीचे :-

"(1) मद (ख) में उपमद (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपमद रखी जाएगी, अर्थात् :-

"(1) स्वामी द्वारा वहन किए गए और वास्तविक रूप से संदत्त नगर पालिका करों की रकम (जिसमें से निर्धारण वर्ष 1984-85 या किसी अन्य पूर्व निर्धारण वर्ष के लिए उद्भूत दायित्व के रूप में कटौती के रूप में अनुज्ञात ऐसे करों की रकम अपवर्जित की गई है) — धारा 23 (1) का प्रथम परन्तुक और स्पष्टीकरण 2";

(2) मद (च) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :-

"(च) पूर्विक वर्ष में कटौती के रूप में अनुज्ञात किन्तु पूर्व वर्ष के दौरान वसूल किया गया अवसूलीय किराया— धारा 25 च";

- (3) इस प्रकार रखी गई मद (च) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(छ) गृह सम्पत्ति से शुद्ध, प्रभाय आय [जो (क) में से (ङ) को घटाकर] (च) को जोड़ कर निकालने वाली रकम है।”;

(घ) टिप्पण 3 में :—

- (1) कारबार या वृत्ति की (कम/व्यक्ति संगम में अंश से भिन्न) शीर्षक के नीचे :—

(क) मद (8) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(9) यदि लेखाओं की संपरीक्षा द्वारा 44 कख के अधीन किया जाना अपेक्षित है तो ऐसी संपरीक्षा की रिपोर्ट अपेक्षित विशिष्टियों के साथ संलग्न की जाए”;

(ख) विद्यमान मदों (9) और (10) को क्रमशः मद (10) और (11) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा।

- (2) (2) “पूर्व वर्ष के लिए कारबार या वृत्ति के निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना” शीर्षक के नीचे मद 3 में :—

(क) उपमद (ग) का लोप किया जाएगा ;

(ख) उपमद (घ) से (घ) को क्रमशः (ग) से (द) के रूप में पुनः अक्षरांकित किया जाएगा ;

(ग) इस प्रकार अक्षरांकित उपमद (द) के पश्चात् निम्नलिखित उपमद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(घ) किसी निधि, न्वास आदि की स्थापना या उसके गठन के लिए या उसमें अभिदाय के रूप में नियोजक के रूप में संदत्त रकम—धारा 40क (9)।”;

(ङ) टिप्पण 12 में, “पूँजी अभिलाभ की संगणना,” उपशीर्षक के नीचे मद (क) में, “धारा 45 और 47 क” शब्द, अंक और अक्षर अंत में अंतःस्थापित किए जाएंगे।

[सं. 6081/फा. सं. 142(53)/84-टी.पी.एल.]

बी० डी० वाखारकर, सचिव
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 21st December, 1984

NOTIFICATION

INCOME-TAX

S.O.952(E):—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Fifth Amendment) Rules, 1984.

- (2) They shall come into force on the 1st day of April, 1985.

2. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962,—

- (1) in Form No. 1,—

(a) in Annexure B, under the sub-heading “Capital gains relating to short-term capital assets”, the figures “53” occurring against the entry “Less” shall be omitted;

(b) in Note 2, under the sub-heading “Computation of Income”,—

- (i) for sub-item (i) of item (b), the following sub-item shall be substituted, namely:—

“(i) amount of municipal taxes borne and actually paid by the owner (excluding amount of such taxes allowed as deduction for the assessment year 1984-85 or any earlier assessment year as accrued liability)—1st proviso and Explanation 2 to section 23(1)”;

- (ii) for item (f), the following item shall be substituted, namely:—

“(f) Irrecoverable rent allowed as deduction in the earlier years but realised during the previous year—section 25A.”;

- (iii) after item (f) as so substituted, the following item shall be inserted, namely:—

“(g) Net chargeable income from house property being [(a) minus (e)] plus (f)”;

(c) In Note 3,—

- (i) under the heading “(1) General particulars: Business or Profession other than share in firm or association of persons”, in item (vii), the words, figures and letters “and if the accounts are required to be audited under section 44AB, the report of such audit together with the requisite particulars should be attached;” shall be inserted at the end;

- (ii) under the heading “(2) Computation of assessable profit or loss from business or profession for the previous year”, in item 3,—

(A) sub-item (c) shall be omitted;

(B) sub-items (d) to (u) shall be re-lettered as sub-items (c) to (t) respectively;

- (C) after sub-item (t) as so re-lettered, the following sub-item shall be inserted, namely:—
“(u) amount paid as an employer towards the setting up or formation of, or as contribution to, any fund, trust, etc.—section 40A(9)”;
- (d) in Note 6, under the sub-heading “Computation of Capital Gains”, in-item (a), the words, figures and letter “sections 45 and 47A” shall be inserted at the end;
- (2) in Form No. 2,—
- (a) in Annexure (C), under the sub-heading “Capital gains relating to short-term capital assets”, the figures “53” occurring against the entry “Less” shall be omitted;
- (b) in Note 1,—
- (i) in item (1), after the words “advance of salary,” the words “payment received in respect of any period of leave not availed of,” shall be inserted;
- (ii) in item (3),—
- (A) for sub-item (d), the following sub-item shall be substituted, namely:—
“(d) amount in respect of interest on loans advanced by the employer free of interest or at a rate of interest lower than the specified rate of interest—Section 17(2)(vi).”;
- (B) after sub-item (d) as so substituted, the following sub-item shall be inserted, namely:—
“(e) total of items (a), (b), (c) and (d).”;
- (c) in Note 3,—
- (i) Under the heading “(1) General particulars of business or profession”,—
- (A) after item (viii), the following item shall be inserted, namely:—
“(ix) if the accounts are required to be audited under section 44AB, report of such audit together with the requisite particulars should be attached”;
- (B) the existing items (ix) and (x) shall be renumbered as items (x) and (xi), respectively;
- (ii) in item 3 under the heading “(2) Computation of Assessable Profit/Loss from business or profession for the previous year”,—
- (A) sub-item (c) shall be omitted;
- (B) sub-items (d) to (r) shall be re-lettered as (c) to (q) respectively;
- (C) after sub-item (q) as so re-lettered, the following sub-item shall be inserted, namely:—
“(r) amount paid as an employer towards the setting up or formation of, or as contribution to, any fund, trust, etc.—section 40A(9).”;
- (d) in Note 7,—
- (i) in Part I relating to “SELF-OCCUPIED PROPERTY”, under the sub-heading “Computation of Income”,—
- (A) for item (b), the following item shall be substituted, namely:—
“(b) amount of municipal taxes borne and actually paid (excluding amount of such taxes allowed as deduction for the assessment year 1984-85 or any earlier assessment year as accrued liability)—1st proviso and Explanation 2 to section 23(1).”;
- (B) for item (1), the following item shall be substituted, namely:—
“(1) irrecoverable rent allowed as deduction in the earlier years but realised during the previous year—sec. 25A”;
- (C) after item (1) as so substituted, the following item shall be inserted, namely:—
“(m) net chargeable income from self-occupied property being [(i) minus(k)] plus (1).”;
- (ii) in Part II relating to “INCOME FROM OTHER PROPERTY (LET OUT PROPERTY)”, under the sub-heading “Computation of Income”,—
- (A) in item (b), for sub-item (i), the following sub-item shall be substituted, namely:—
“(i) amount of municipal taxes borne and actually paid by the owner (excluding amount of such taxes allowed as deduction for the assessment year 1984-85 or any earlier assessment year as accrued liability) 1st proviso and Explanation 2 to section 23(1).”;
- (B) for item (f), the following item shall be substituted, namely:—
“(f) irrecoverable rent allowed as deduction in the earlier years but realised during the previous year—section 25A.”;
- (C) after item (f) as so substituted, the following item shall be inserted, namely:—
“(g) net chargeable income from other property being [(a) minus (c)] plus (f).”;
- (3) in Form No. 3,—
- (a) in annexure A,—
- (i) in Part I, under the heading “Computation of income from salaries received from Government”, after the words “advance of salary,” the words “payment received in respect of any period of leave not availed of,” shall be inserted;
- (ii) in Part II, under the heading “Computation of income from other salaries”,—
- (A) in item 1, after the words “advance of salary,” the words “payment received in respect of any period of leave not availed of,” shall be inserted;

(B) in item 3,—

(I) after sub-item (c), the following sub-item shall be inserted, namely:—

“(d) Amount in respect of interest on loans advanced by the employer free of interest or at a rate of interest lower than the specified rate of interest-section 17(2)(vi).”;

(II) for the words, brackets and letters, “Total of (a), (b) and (c),” the words, brackets and letters “Total of (a), (b), (c) and (d)” shall be substituted;

(b) in Annexure C, under the sub-heading “Capital gains relating to short-term capital assets”, the figures “53” occurring against the entry “Less” shall be omitted;

(c) in Note 5,—

(i) in Part I relating to “SELF-OCCUPIED PROPERTY”, under the sub-heading “Computation of Income,”

(A) for item (b), the following item shall be substituted namely:—

“(b) amount of municipal taxes borne and actually paid (excluding amount of such taxes allowed as deduction for the assessment year 1984-85 or any earlier assessment year as accrued liability)—1st proviso and Explanation to section 23(1);”;

(B) for item (1), the following item shall be substituted, namely:—

“(1) irrecoverable rent allowed as deduction in the earlier years but realised during the previous year section 25A”;

(C) after item (1) as so substituted, the following item shall be inserted, namely:—

“(m) net chargeable income from self-occupied property being [(i) minus (k)] plus (1).”;

(ii) in Part II relating to “INCOME FROM OTHER PROPERTY (LET OUT PROPERTY)”, under the sub-heading “Computation of Income”,—

(A) in item (b), for sub-item (i), the following sub-item shall be substituted, namely:—

“(i) amount of municipal taxes borne and actually paid by the owner (excluding amount of such taxes allowed as deduction for the assessment year 1984-85 or any earlier assessment year as accrued liability)—1st proviso and Explanation 2 to section 23(1);”;

(B) for item (f), the following item shall be substituted, namely:—

“(f) Irrecoverable rent allowed as deduction in the earlier year but realised during the previous year—section 25A;”;

(C) after item (f) as so substituted, the following item shall be inserted, namely:—

“(g) Net chargeable income from other property being [(c) minus (e)] plus (f).”;

(4) in Form No 3A, -

(a) in Annexure-B, under the sub-heading “Capital gains relating to short-term capital assets”, the figures “53” occurring against the entry “Less” shall be omitted;

(b) in Annexure C, in Part II, under the heading “Income in respect of which exemption under section 11 is not available by reason of the provisions of section 13” in Question 1, the following words, brackets and letter shall be inserted at the end, namely:—

“Clause (h). *Yes/No”;

(c) in Note 2, under the sub-heading “Computation of Income”,—

(i) in item (b), for sub-item (i), the following sub-item shall be substituted, namely:—

“(i) amount of municipal taxes borne and actually paid by the owner (excluding amount of such taxes allowed as deduction for the assessment year 1984-85 or any earlier assessment year as accrued liability)—1st proviso and Explanation 2 to section 23(1);”;

(ii) for item (f), the following item shall be substituted, namely:—

“(f) irrecoverable rent allowed as deduction in the earlier year but realised during the previous year—section 25A;”;

(iii) after item (f) as so substituted, the following item shall be inserted, namely:—

“(g) net chargeable income from house property being [(a) minus (c)] plus (f).”;

(d) in Note 3,—

(i) under the heading “(1) BUSINESS OR PROFESSION (OTHER THAN SHARE IN FIRM/AOP/BOI)”,—

(A) after item (viii), the following item shall be inserted, namely:—

“(ix) if the accounts are required to be audited under section 44AB, the report of such audit together with the requisite particulars should be attached”;

(B) the existing items (ix) and (x) shall be re-numbered as items (x) and (xi), respectively;

(ii) under the heading “(2) COMPUTATION OF ASSESSABLE PROFIT/LOSS FROM BUSINESS OR PROFESSION FOR THE PREVIOUS YEAR”, in item 3,—

(A) sub-item (c) shall be omitted;

(B) sub-items (d) to (s) shall be re-lettered as (c) to (r) respectively;

(C) after sub-item (r) as so re-lettered, the following sub-item shall be inserted, namely:—

“(s) amount paid as an employer towards the setting up or formation of, or as contribution to, any fund, trust, etc.—section 40A (9).”;

(e) in Note 12, under the sub-heading “COMPUTATION OF CAPITAL GAINS”, in item (a), the words, figures and letter “—sections 45 and -7A” shall be inserted at the end.

[No. 6081/F.No.142(53)/84-TPL]

V.D. WAKHARKAR, Secy.
Central Board of Direct Taxes